an>

Title: The Minister of Home Affairs made a statement regarding "Incident in District-Sukma, Chhattisgarh which happened on 01.12.2014".

गृह मंत्री (श्री राजनाथ सिंह) : अध्यक्ष महोदया, दिनांक एक दिसंबर को छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में एक बहुत ही पीड़ादायी और निंदनीय घटना घटी थी। उससे संबंधित स्टेटमेंट मैं सदन के पटल पर रखता हूँ।

अध्यक्ष महोदया, माओवादी उग्रवाद से प्रभावित राज्यों में राज्य पुलिस एवं केंद्रीय अर्ध सैनिक बलों द्वारा लगातार इस समस्या से प्रभावी ढंग से निबटने के लिए अभियान चलाए जा रहे हैं। सी.पी.आई. (माओवादी) काडर के दस्तों की गतिविधियों की खुफिया जानकारी के आधार पर, सी.आर.पी.एफ. ने 16 नवंबर, 2014 से एक वृहद अभियान छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले के चिंता गुफा क्षेत्र में कई चरणों में चलाया।

इस अभियान में सी.आर.पी.एफ. के 2253 एवं राज्य पुलिस के 224 कुल 2477 पुलिसकर्मियों ने भाग लिया। इस अभियान के प्रथम एवं द्वितीय चरण में 17.11.2014 और 21.11.2014 को कई बार सुरक्षाबलों एवं माओवादियों के बीच मुठभेड़ हुई। विभिन्न स्त्रोतों से मिली जानकारी के आधार पर, जिनमें खुफिया सूचनाएं एवं मीडिया के स्त्रोत सम्मिलित हैं, दिनांक 21.11.2014 को 12 माओवादियों के मारे जाने की सूचनाएं हैं, लेकिन इनकी पुष्टि अभी तक नहीं हो सकी है। इन चरणों में कुछ सुरक्षाकर्मी घायल हुए थे, जिनका उपचार कराया गया।

इस ऑपरेशन का तीसरा चरण दिनांक 27.11.2014 को शुरू हुआ था। इस घने जंगली क्षेत्र की Combing के पश्चात जब सी.आर.पी.एफ की 223 बटालियन एवं कोबरा की 206 बटालियन के सुरक्षाकर्मी अपने कैंप को वापस लौट रहे थे, माओवादियों ने कसलपार गांव के निकट उन पर घात लगाकर हमला कर दिया। यह घटना 01.12.2014 को दिन में लगभग 10:30 बजे घटित हुई। सुरक्षा बलों ने जवाबी हमला किया और पूरी बहादुरी के साथ माओवादियों पर जवाबी कार्रवाई की। यह मुठभेड़ लगभग तीन घंटे चली। इसमें 223 बटालियन के 14 सुरक्षाकर्मी शहदी हो गए एवं अन्य 14 सुरक्षाकर्मी घायल हो गए। जैसे ही यह मुठभेड़ शुरू हुई, सीआर.पी.एफ. की निकटस्थ अन्य टुकड़ियाँ भी घटना स्थल पर मदद के लिए पहुंच गई।

घायल सुरक्षाकर्मियों को चिंता गुफा बेस कैंप में ले जाया गया और इसके उपरान्त उपचार के लिए जगदलपुर एवं रायपुर भेज दिया गया। इस हमले में माओवादी मृतक जवानों के शस्त्र एवं गोला बारूद ले जाने में सफल हो गए।

आज दिनांक 02.12.2014 को दो एम.आई. - 17 हैलीकॉप्टरों के द्वारा शहीद एवं घायल सुरक्षाकर्मियों को चिंता गुफा से जगदलपुर एवं रायपुर लाया गया है।

अध्यक्ष महोदया, घटना की जानकारी मिलते ही मैं कल प्रातः वरिष्ठ अधिकारियों के साथ रायपुर गया और स्थिति की समीक्षा की। सी.आर.पी.एफ. के महानिदेशक एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी क्षेत्र में कैंप कर रहे हैं।

मैं पुनः इस बात को दोहराना चाहता हूँ कि सरकार माओवादी उग्रवाद से पूरी दृढ़ता से निबटने के लिए प्रतिबद्ध है। इसके लिए सरकार द्वारा बहुआयामी रणनीति क्रियान्वित की जा रही है। इसमें सुरक्षा संबंधी उपाय, विकास से संबंधित उपाय एवं आदिवासी एवं अन्य कमजोर वर्ग के लोगों को उनका अधिकार दिलाने से संबंधित कदम शामिल हैं। सरकार की नीति के परणामस्वरूप माओवादियों के हौसले कमजोर हुए हैं। उनके कैडर के द्वारा आत्मसमर्पण करने की संख्या में इस वर्ष काफी वृद्धि हुई है। वर्ष 2011 से माओवादी हिंसा की घटना में निरंतर गिरावट आ रही हैं, जो इस वर्ष भी जारी है। हमारा दृढ़ निश्चय है कि हम अपने सुरक्षा बलों को सभी संभव साधन मुहैया कराएंगे और तब तक इस अभियान को जारी रखेंगे, जब तक कि इस समस्या का पूरी तरह से उन्मूलन न हो जाए। मैं यह भी स्पष्ट करना चाहता हूँ कि राज्य सरकारें जब भी शांति व्यवस्था कायम करने, उग्रवाद के संकट, प्राकृति आपदा आदि से निबटने के लिए सेंट्रल आर्म्ड पुलिस पैरामिलिट्री फोर्सेज़ की मांग करती हैं, तो सामान्यतः मिनिस्ट्री ऑफ होम अफेयर्स विचार करके फोर्स उपलब्ध कराती है और सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्सेज़ बराबर राज्य सरकारों के निर्देशन पर कोऑर्डिनेशन बनाकर काम करती हैं। हम राज्य सरकारों की क्षमता में वृद्धि करने के लिए भी सभी संभव उपाय कर रहे हैं।

दिनांक 01.12.2014 की इस घटना में शहीद हुए सभी सुरक्षाकर्मियों को मैं अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ और उनके परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी संवेदना प्रकट करता हूँ।

THE MINISTER OF URBAN DEVELOPMENT, MINISTER OF HOUSING AND URBAN POVERTY ALLEVIATION AND MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI M. VENKAIAH NAIDU): Madam, I wish that our friends from the Opposition were also here when hon. Home Minister is making statement about the dastardly attack on our CRPF personnel in Chhattisgarh. The incident took place in Chhattisgarh. He had been there and has since come back. They had given notices. So, I expected them to be here so that they can hear the Minister and also offer their suggestions. Unfortunately, that could not happen.

Secondly, Madam, I am trying to put one thing on record and as a Minister for Parliamentary Affairs, I have a responsibility also. If 20 people start shouting that *tanashahi nahin chalegi*, then should 520 people keep quiet? They are keeping quiet helplessly. किसकी तानाशाही है? आप चेयर पर हैं, इसलिए मेरी प्रार्थना यह है कि कुछ लोग मिल कर पूरे सदन को डिक्टेट करें, हम बाकी लोग चुप बैठें, यह कितने दिन चलेगा? इस पर थोड़ा ध्यान देना चाहिए।

मैडम, हम इसी समाज में रह रहे हैं। मैंने कल भी कहा कि मेरे मन में भी वेदना है, पीड़ा है, प्रधान मंत्री जी ने खुद कहा कि उन्हें मंत्री का वक्तव्य स्वीकार्य नहीं है। मंत्री जी ने सदन में आकर दिल से माफी मांगी, बाहर भी जाकर उन्होंने कहा, लेकिन फिर भी ऐसा करें तो यह ठीक नहीं है। महिला एम.पी. मुझसे आकर कह रही हैं कि हमें मौका दीजिए, हम बोलना चाहते हैं। हमारी महिला मंत्री, साथी के ऊपर हमला हो रहा है, हमें बोलने दीजिए। मैं महिला, पुरूष, दलित, पिछड़ा आदि में नहीं जाना चाहता हूँ, लेकिन समाज में ऐसी स्थिति है। पहले ही दिन मैंने आपको सब्मिट किया था और अपोजिशन को भी कहा कि हम किसी भी विषय के बारे में किसी भी स्तर पर चर्चा करने के लिए तैयार हैं। आज दो मंत्री जी सदन में उपस्थित हैं, गृह मंत्री जी हैं और विदेश मंत्री जी दौरे के बारे में वक्तव्य देना चाहते हैं। नारेबाजी करना, बीच में प्रधानमंत्री जी का नाम लेना ठीक नहीं है। We have got such a massive mandate. The Opposition go on inserting the Prime Minister and take his name everyday. Madam, I would like to put the record straight. The Minister is not tainted but my other friends from the Opposition are trying to paint the Minister as tainted.

महोदया, तीसरी बात मैं आदरपूर्वक सब्मिट करना चाहता हूँ, मैं रिकार्ड पर लाना चाहता हूँ कि लास्ट टाइम भी इसी हाउस में एक मंत्री जी ने श्रीमान अटल बिहारी वाजपेयी जी के बारे में गलत शब्द का प्रयोग किया। वह बहुत गलत था। सबने उनसे कहा कि आप अपनी गलती स्वीकार कीजिए, क्षमा याचना कीजिए। उन्होंने इन्कार कर दिया और बाहर भी बोला। अंत में पूर्व प्रधानमंत्री, मैं उनका आदर करता हूँ, श्री मनमोहन सिंह जी को वह काम करना पड़ा। वह रिकार्ड में है। अब वे कह रहे हैं कि वे मंत्री नहीं हैं। उस समय वे मंत्री थे। एक सदस्य दूसरी पार्टी के हैं, अभी सुदीप बाबू मुझे बता रहे थे कि वह मैटर कोर्ट में है, इसलिए मैं विस्तार में नहीं जाना चाहता हूँ। एक एम.पी. ने कहा कि सी.पी.एम. वालों ने हमारे ऊपर हमला बन्द नहीं किया तो मैं अपने लोगों को कहूँगा कि उनके ऊपर हमला करें और अपने पुरूषों को बताऊँगा कि उनकी महिलाओं के ऊपर अत्याचार करें। उस एम.पी. ने ऐसा कहा है। उन्होंने आउट ऑफ कन्ट्रोल में आकर ऐसा कहा होगा, लेकिन यह निन्दनीय है। मुख्यमंत्री ममता जी ने अपने विवेक से, अपने संस्कार से उसको कन्डेम किया। कल ऐसे ही हमारे प्रधानमंत्री जी ने भी किया। कल उस विषय पर यहाँ चर्चा हुई, आपने अनुमति दी और तुरन्त हमने रिस्पॉन्ड किया और चर्चा समाप्त हो गयी। आज अचानक क्या हुआ? कुछ पॉलिटिकल गाइडेंस या कोई पॉलिटिकल कारण से सदन का इस तरह बाधित रहना अच्छी बात नहीं है। यह मेरी सभी पार्टियों से, कांग्रेस से प्रार्थना है। हम पार्लियामेंट्री नियम के अनुसार किसी भी विषय के बारे में किसी भी स्तर पर बहस करने के लिए तैयार हैं। कृपया आप भी उन लोगों को सलाह दीजिए, मैं भी उनसे प्रार्थना कर रहा हूँ।

माननीय अध्यक्ष : मैं भी यहाँ से बार-बार बोलती हूँ और चर्चा भी करती हूँ कि ऐसा नहीं होना चाहिए। मुझे भी खेद होता है कि मुझे हंगामे में सदन चलाना पड़ता है। सभी लोग मेहनत करके, अभ्यास करके प्रश्न पूछते हैं और वे मंत्रियों से उत्तर चाहते हैं। इसलिए प्रश्नकाल चले, ऐसा सबका आग्रह रहता है। मैं भी उसे ध्यान रखती हूँ। मुझे वास्तव में अच्छा नहीं लगता कि मैं हंगामे में सदन चलाऊँ। मैं सबका सहयोग चाहती हूँ। मैं बार-बार निवेदन भी करती हूँ। हर एक के अपने-अपने पॉलिटिकल भाषण में कई सारी ऐसी घटनाएं होती हैं, मगर हर एक को अपना-अपना ध्यान रखना चाहिए। हम सब समझदार लोग हैं।